

अमेरिका-पाकिस्तान फिर एक साथ

का ल मार्क्‌स ने कहा था, 'डित्हास खुद
को दोहराता है-पहले त्रासदी के रूप में
और फिर मजाक के रूप में'। कट्टर जिहादी सोच
वाले पाकिस्तानी सेनाध्यक्ष और फील्ड मार्शल
जनरल आसिम मुनीर को अमेरिकी राष्ट्रपति
डोनाल्ड ट्रंप ने क्वाइट हाउस में भोज के लिए
बुलाकर और पाकिस्तान से गहरे सामरिक
तालमेल की पेशकश करके मार्क्‌स के कथन
को प्रासांगिक कर दिया।

अमेरिका के पेस और हथियारों से लैस पाकिस्तान ने दोनों बार अपनी उपयोगिता सिद्ध की, पर दोहरा खेल भी खेला। उसने अमेरिका को कुछ हद तक खुश रखते हुए दक्षिण एशिया में जिहादी जहर घोला। उसके इसी पारबंद से ऊबकर ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में पाकिस्तान को सैन्य सहायता पूर्णतः रोक दी थी। 2018 में पाकिस्तान को 'झूठा और धोखेबाज' कहने वाले ट्रंप आज उसकी प्रशंसा कर रहे हैं। दरअसल विश्व राजनीति में फिर ऐसा मोड़ आया है, जब अमेरिका को अपने भूराजनीतिक लक्ष्यों को साधने के लिए पाकिस्तान की जरूरत आन पड़ी है। इसीलिए वह उसे पिंडा रखा है।

पाकिस्तान के पड़ोसी ईरान
पर अमेरिका के निकटतम
साथी इजरायल ने हमला
बोल दिया है। इस हमले का
आंतिम उद्देश्य तेहरान में
तख्तापलट है। द्रंप ने मुनीर
के साथ बैठक में ईरान पर
चर्चा की और यह भी कहा
कि इस मामले पर
पाकिस्तान 'मुझसे सहमत
है।' अमेरिका को लगता है
कि शिया ईरान में
अयातुल्ला अली...



थी। 2018 में पाकिस्तान को 'झूठा और धोखेबाज़' कहने वाले ट्रंप आज उसकी प्रशंसनी कर रहे हैं। दरअसल विश्व राजनीति में फिर ऐसे मोड़ आया है, जब अमेरिका को अपने भूराजनीतिक लक्ष्यों को साधने के लिए पाकिस्तान की जरूरत आन पड़ी है। इसीलिए वह उसे रिझा रहा है।

पाकिस्तान के पड़ोसी ईरान पर अमेरिका के

निकटतम साथी इजरायल ने हमला बोल दिया है। इस हमले का अंतिम उद्देश्य तेहरान में तख्तापलट है। ट्रंप ने मुनीर के साथ बैठक में ईरान पर चर्चा की और यह भी कहा कि इस मामले पर पाकिस्तान 'मुझसे सहमत है।' अमेरिका को लगता है कि शिया ईरान में अयातुल्ला अली खामेनई जैसे सर्वोच्च नेतृत्व की तानाशाही के खाले के लिए सर्वान्ध

पाकिस्तान को अग्रिम मोर्चे के तौर पर इस्तेमाल किया जा सकता है। अमेरिका ने पाकिस्तान को इसके लिए भी शाबाशी दी विवाह अफगान-पाकिस्तान सीमा पर इस्लामिक स्टेट के आतंकियों को पकड़ने और उन्हें मार गिराने में वाशिंगटन का 'अभूतपूर्व साझेदार' बन गया है।

भारत को अंदेशा है कि इस सबके चलते अमेरिका पहलगाम जैसे पाकिस्तानी बर्बादी आतंकी कृत्यों की अनदेखी कर सकता है। वैसे हो तो ट्रंप भारत के आतंक विरोधी अभियान को

समर्थन का वादा करते हैं और चीन की चुनौती का सामना करने के लिए भारत को करीब लाना चाहते हैं, पर यह स्पष्ट ही है कि महाशक्तियों की रणनीति एक देश के हितों तक सीमित नहीं रहती।

फिलहाल वाशिंगटन का प्रमुख लक्ष्य ईरान में बदलाव और अमेरिका पर हमला करने के

ताक में रहने वाले इस्लामिक स्टेट से निपटना
है।

है। अगर मुनार ट्रप के साथ सादा करत है आर पाकिस्तान अमेरिका से पुनः सैन्य सामग्री और आर्थिक लाभ लेने लगता है तो इससे अमेरिका पाकिस्तान को चीन के साथ से भी बाहर निकाल सकता है। अमेरिका का रणनीतिक लक्ष्य व्यापक और बहुआयामी है, जो भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा हितों से मेल खाता नहीं दिख रहा है। यदि अमेरिका पाकिस्तान को चीन के चंगुल से निकालने में सफल हो जाता है तो इससे भारत का भला होगा, पर यदि पाकिस्तान अमेरिका की शरण में जाकर भारत में पहलगाम जैसे जघन्य जिहादी हमले कराने का दुस्साहस करेगा तो इससे भारत को खतरा बढ़ जाएगा।

ट्रंप की मानें तो उन्हाने मुनीर को इस कारण धन्यवाद जताने के लिए अमेरिका आमत्रित किया, क्योंकि पाकिस्तान ने भारत से युद्ध करने से परहेज किया। ट्रंप ने मुनीर की कथित सूझबूझ को सराहा और उनकी बाबारी भारतीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से करते हुए कहा कि दोनों की परिपक्वता के चलते अमेरिका ने दक्षिण एशिया में परमाणु युद्ध रोक दिया। ऐसे बेबुनियाद दावे खारिज करने के ही लिए ट्रंप से फोन पर वार्ता में मोदी ने दो टक कहा कि कश्मीर पर किसी भी देश की मध्यस्थता भारत को कतई मंजूर नहीं है। कनाडा में जी-7 शिखर सम्मेलन में भी मोदी ने आतंक की जड़ पर सबका ध्यान केंद्रित करते हुए आतंकवाद पर विकसित देशों के दोहरे मापदंड की आलोचना की। उन्होंने यह भी कहा कि विकसित देश ‘किसी भी देश पर आर्थिक प्रतिबंध लगा देते हैं, पर आतंकवाद का खुलेआम समर्थन करने वाले देशों को पुरस्कृत करते हैं।’

ज्ञान के आलोक से मनुष्यःता और वात्सल्य की भावना

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं महत्वपूर्ण अंग है। प्रेम भावानात्मक तत्व है जो मनुष्य को इंसान बनाता है संवेदना और साजिवता को जागित करती

A portrait of a middle-aged man with dark hair and a prominent mustache. He is smiling and wearing a dark suit jacket over a light blue shirt and a red patterned tie. The background is a plain, light-colored wall.

संजीव ठाकुर

स्वस्थ जीवन का आधार है: "योग"



आलेख- डॉ राकेश वशिष्ठ, वरिष्ठ
पत्रकार एवं संपादकीय लेखक



भा शब्द "योग" मूल शब्द युज़ से आया ह, जिसका अर्थ है "जोड़ना" या "बांधना"। इस शब्द के अपने आप में कई अर्थ हैं, ज्योतिषीय संयोजन से लेकर विवाह तक, जिसका मूल विषय संबंध है।

योग करने के कई फायदे हैं। जहां सिर्फ जिम करने से हमारा शरीर स्वस्थ रहता है, वहां योग हमारे शरीर के साथ-साथ दिमाग को भी स्वस्थ बनाता है। एरोबिक्स या योग के लाभों की चर्चा करें तो योग मन की शांति प्रदान करता है योग न केवल हमारे शरीर की मांसपेशियों को अच्छा व्यायाम देता है, बल्कि यह हमारे दिमाग को शांत रखने में भी मदद करता है। चिकित्सा अनुसंधान से पता चला है कि योग शारीरिक और मानसिक दोनों रूप से अच्छे स्वास्थ्य को बनाए रखने में मदद करता है। योग तनाव से राहत देता है और बेहतर नींद लाता है, भूख और पाचन को बढ़ाता है। योग दिमाग को हमेशा शांत रखता है। तनाव मुक्त जीवन देने में सहायक है यदि आप योग को अपनी दिनचर्या में शामिल करते हैं तो आप तनाव मुक्त जीवन जी सकते हैं। अध्ययनों से पता चलता है कि आज हर दूसरा व्यक्ति तनाव में है शरीर की धकान को दूर भागने का कार्य भी योग के द्वारा किया जा सकता है जब हम योग करते हैं तो मांसपेशियों में खिंचाव, मरोड़, मरोड़ और खिंचाव जैसी कई कियाएं होती हैं। इससे हमारे शरीर की धकान दूर होती है और हम हमेशा तरोताजा महसूस करते हैं। यदि आप नियमित रूप से योग करते हैं तो आपके शरीर म ऊँजा का सचार होगा। रोग मुक्त शरीर भा योग के द्वारा हम पा सकते हैं।

योगभ्यास शरीर को स्वस्थ बनाता है, क्योंकि यह हमें रोगों से लड़ने की शक्ति देता है। हृदय रोग, मधुमेह और अस्थमा जैसी कई अन्य बीमारियों के लिए योग की सलाह दी जाती है। योग रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है और श्वसन संबंधी विकारों को भी दूर करता है। इसलिए अगर आप रोजाना योग करेंगे तो आप स्वस्थ रहेंगे। योग के द्वारा आप अपने वजन पर काबू रखने में सहायक हो सकते हैं दुनिया की अस्सी प्रतिशत आबादी मोटापे से ग्रस्त है। हालांकि योग को अपनी जीवनशैली में शामिल करके हम मोटापे को नियंत्रित कर सकते हैं। योग करने से शरीर लचीला बनता है। योग हमारी मांसपेशियों को न केवल मजबूत करता है बल्कि और शरीर से अतिरिक्त चर्बी को कम करता है। यह हमारे पाचन तंत्र को भी मजबूत करता है। योग फिट रहने का एक बेहतरीन तरीका है। योग धर्म नहीं, एक विज्ञान है, यह कल्याण का विज्ञान, योवन का विज्ञान है, शरीर, मन और आत्मा को जोड़ने का विज्ञान है। तो क्यों ना योग के द्वारा जीवन को सुखद बनाएं क्योंकि योग वाकई निरोगी जीवन की कुंजी है स्वस्थ जीवन का आधार है योग खुद भी योग कीजिए और साथ ही अपने आस पास के लोगों को भी निरोगी जीवन निरोगी काया के इस मूलमंत्र से अवगत कराएं उनको भी योग के लिए प्रेरित करें।

अंकों का मायाजाल

जिन बच्चों के अन्य अक आए, उनके अभिभावकों ने उन्हें शाबासा भा दी और समाज या पारवार में बच्चे के अंकों को लेकर चर्चा भी की। लेकिन जो बच्चे मेहनत करने के बाद भी उच्च अंक हासिल नहीं कर सके, उनके अभिभावकों ने कोचिंग संस्थाओं को कम और अपने बच्चे को ज्यादा कोसना शुरू कर दिया। जबकि बच्चों की सीमा के साथ-साथ उन्हें पढ़ाने वालों की कमजोरी भी इसकी वजह हो सकती है। इसलिए अंक कम आने पर बच्चे को डांटना और किसी के सामने बुरा-भल कहना बेमानी है।

पि छले कुछ सालों के दौरान राज्यों
शिक्षा बोर्ड और केंद्रीय शिक्षा बोर्ड
सालाना परिक्षा परिणाम घोषित होने के ब
सबसे ज्यादा चर्चा इस बात पर होती है फ
सबसे ज्यादा नंबर कितने आए, किसके आ
कहीं खुशी तो कहीं गम देखने को मिलता है।
हालांकि आज के इस दौर में सभी माता-पि
चाहते हैं कि उनका बच्चा उच्च अंक ल
ताकि आगामी कक्षाओं में प्रवेश के लिए
दिवकरत का सामना नहीं करना पड़े। इसके
लिए अभिभावक उन्हें शुरू से ही शिक्षा द
दुकानों में यानी ऊंची फीस लूटने वा
कोंचिंग संस्थानों में प्रवेश दिला कर निश्चिह्न
हो जाते हैं कि जब उनके बच्चे का परिणाम
आएगा और उच्च अंक लाएगा तो समाज अं
परिवार में उनका नाम होगा। इसके बाद वे इ
बात से बोधिक हो जाते हैं कि कोंचिंग संस्थान
और वहां का वातावरण कैसा है और पढ़ने
वाले शिक्षकों की योग्यता क्या है। बस उच्च
अंकों को लेकर यह बताने में कोई कमी न
रखी जाती है कि बच्चों ने कितने फीसद अं
देरे भरी हैं।

लकर पराशुक्ति उताण का ह।
जिन बच्चों के अच्छे अंक आए, उन
अभिभावकों ने उन्हें शाबासी भी दी और समा-
या परिवार में बच्चे के अंकों को लेकर च-
भी की। लौटकिन जो बच्चे महेनत करने के ब-
भी उच्च अंक हासिल नहीं कर सके, उन
अभिभावकों ने कोर्चिंग संस्थाओं को कम उं-
अपने बच्चों को ज्यादा कोसाना शुरू कर दिया-
जबकि बच्चों की सीमा के साथ-साथ उ-
पढ़ने वालों की कमजोरी भी इसकी वजह
सकती है। इसलिए अंक कम आने पर बच-
को डांटना और किसी के सामने बुरा-भाग

कहना बेमानी है।
देश की राजधानी दिल्ली में एक बच्चे द
दसवीं की परीक्षा में साठ फीसद अंक मिले थे
ये अंक आज के इस युग में कम माने जाते
क्योंकि हर क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा होने के कारण
पनचानबे प्रतिशत अंक ही सही माने जाते हैं
लौकिक उस बच्चे की मां ने इन अंकों को
अच्छा माना। उन्होंने अपने बच्चे का होस्पिट



बढ़ाते हुए लिखा कि 'मुझे साठ प्रतिशत अंक आने पर भी अपने बच्चे पर गर्व है, क्योंकि बच्चे ने अपनी मेहनत और संघर्ष में कोई कमी नहीं रखी; मैंने उसके संघर्ष को भी करीब से देखा है'।
लेकिन आज के इस दौर में उच्च अंक हासिल करने के लिए माता-पिता न जाने बच्चे पर कितना बोझ डाल देते हैं और उसे अलग-अलग विषयों के ट्यूशन के लिए घर से बाहर रखते हैं। ऐसे में वह इतना थक जाता है कि अपने स्तर पर पढ़ाई के लिए उसके पास समय ही नहीं बच पाता है। साथ ही उसे प्रश्न-पत्रों के अलावा परीक्षा का व्यावहारिक ज्ञान भी नहीं हो पाता है। उसका बचपन ट्यूशन, कठोरिंग संस्थानों की पाठ्यक्रम पूरा करने के नाम पर लूट और घर से बाहर रहने के चक्कर में ही गुम हो जाता है। इसके बाद भी अगर अच्छे अंक बच्चे के नहीं आते हैं तो कई बार कुछ बच्चे गलत कदम उठा लेते हैं। ये सभी कारण माता-पिता को नजर नहीं आते हैं। सही है कि सभी माता-पिता चाहते हैं कि उनका चांद आसान में चमके और उसकी रोशनी से फिजां रोशन हों, लेकिन इस चांद को बादलों के भार से इतना भी नहीं ढक देना चाहिए, जिससे उसकी चांदी ही छिप जाए। साठ प्रतिशत अंक हासिल करने वाले बच्चे की मां ने अपने बच्चे के संघर्ष को देखा था। उसने समाज में यह संदेश दिया कि कोई भी बच्चा उच्च अंक लाने के लिए संघर्ष में कमी नहीं रखता है। आज हर माता-पिता को उस मां के संदेश को अंगीकार कर अपने बच्चे की मेहनत और संघर्ष को करीब से देखना होगा। तभी वह बच्चा बिना तनाव के पढ़ाई कर सकेगा। अन्यथा वह अंकों के मायाजाल में उलझ कर अपना सब कुछ लुटा देगा, उसका बचपन समाप्त हो जाएगा और किताब और ट्यूशन की दुनिया में उलझ कर बाहरी दुनिया से उसका मोहभंग हो जाएगा। यह खबर ज्यादातर लोगों को याद होगी कि एक युवती पर पढ़ाई का बहुत बोझ डाला गया और उसकी रुचि के अनुसार विषय नहीं दिलाए गए थे तो उस युवती ने अपनी जिंदगी को ही समाप्त कर लिया था। उसने अपने अभिभावकों के नाम यह संदेश भी लिखा दिया था कि उसकी छोटी बहन पर पढ़ाई का इतना दबाव नहीं डालें कि उसका बचपन कहीं गुम हो जाए। इसलिए अभिभावकों को भी यह साच्चना होगा कि बच्चे पर पढ़ाई का अनावश्यक दबाव नहीं डाला जाए।

जन समस्याओं का अविलंब समाधान हो- मंत्री कुमावत



जयपुर टाइम्स

सुमेरपुर(नि.स.)। केबिनेट मंत्री व स्थानीय विधायक जोराम कुमावत ने अपने प्रवास के दौरान सुमेरपुर कार्यालय में नियमित जनसुनवाई की। उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से आए हुए नागरिकों से आत्मीय भ्रंत की ओर उनकी समस्याओं को सुना। जहां उन्होंने तकाल समाधान योग्य विधों को निर्साधा किया। साथ ही शेष समस्याओं के समाधान हेतु संवैधानिक अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जनसुनवाई के दौरान मंत्री कुमावत ने नगरपालिका, शिक्षा, चिकित्सा, पेयजल, राजस्व, मनोजन, ऊर्जा और ग्रामीण विकास समेत विभिन्न सेइयों से जुड़ी शिकायतों की सुनवाई की। कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण किया। साथ ही कुमावत को कहा, “राज्य सरकार आमजन को बेहतु सुविधाएं और सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। प्रत्येक फरियादी की समस्या को सुनाना और उसका समाधान सुनिश्चित करना सरकार की प्रायमिकता है। इस दौरान कई मामलों का मौके पर ही निस्तारण कर आमजन को राहत पहुंचाई। जनसुनवाई के दौरान कई स्थानीय जनप्रतिनिधि भी जोड़ रहे।

20 वर्षों से बंद पड़ा रास्ता खुलवाया, ग्रेवल सड़क का निर्माण कार्य हुआ शुरू



जयपुर टाइम्स

कोटपूरती (नि.स.)। निकटवर्ती ग्राम पंचायत भालोजी में विगत 20 वर्षों से बंद डेंगे रास्ते को आविलंब प्रशासन और पंचायत के सम्मिक्त प्राप्तियों से फेंगे सुचारू कर दिया गया। यह ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग थी जो अब पुरी हो गई है। सपाच क्षण कुमार व डॉ. महेन्द्र कुमार ने बताया कि भालोजी से डाढ़ी विभानी तक 700 मीटर लंबे इस मार्ग पर काफी समय से अराधय बना हुआ था। जिससे स्थानीय लोगों को आवागमन में बेंद मुश्किलों का समान करना पड़ता था। ग्राम पंचायत व प्रशासन ने ग्रामीणों से संवाद एवं समझाईं कर इस अवरुद्ध रास्ते को खुलवाया। रास्ता खुलते ही मौके पर ग्रेवल द्वारा, कमल पूराली, क्षण जाट, संजीत आर्य, बुद्धीप्रीय यादव, राहुल मांगा समेत अनेक ग्रामीण मौजूद रहे।

पं.दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े का आयोजन 24 जून से 09 जुलाई तक

प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्डों में लगाये जायेंगे शिविर

जयपुर टाइम्स

कोटपूरती (नि.स.)। राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के प्रत्येक वर्ग एवं परिवर्त में खड़े अनिम्न व्यक्ति तक पहुंचाने के उद्देश्य से मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशनसुनार आगामी 24 जून से 09 जुलाई तक प्रवेश भर में पं.दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय सम्बल पखवाड़े का आयोजन किया जायेगा। प्रत्येक ग्राम पंचायत व वार्ड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविर में अनेक विभानों से जुड़े कार्य किये जायेंगे। एसडीएम बृजेश कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा पौरी-इंडी, जरा संसाधन, कृषि, स्वास्थ्य, पशुपालन, खिलाफ, उच्च शिक्षा, स्वायत्त शासन व वार्ड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविर में अनेक विभानों से जुड़े कार्य किये जायेंगे। एसडीएम बृजेश कुमार ने जानकारी देते हुये बताया कि शिविर में राजस्व, ग्रामीण विकास, पंचायती राज, ऊर्जा पौरी-इंडी, जरा संसाधन, कृषि, स्वास्थ्य, पशुपालन, खिलाफ, उच्च शिक्षा, स्वायत्त शासन व वार्ड स्तर पर आयोजित होने वाले शिविर की समय प्रातः 09.30 से सायं 05.30 बजे तक रहेगा। जिसमें विभिन्न विभानों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। शिविर स्थल ग्राम पंचायत भवन, राजकीय विधायिका तथा अन्य 15 राजकीय विभानों को शामिल किया गया है। शिविर की समय प्रातः 09.30 से सायं 05.30 बजे तक रहेगा। जिसमें विभिन्न विभानों के अधिकारी-कर्मचारी शामिल होंगे। शिविर स्थल ग्राम पंचायत भवन, राजकीय विधायिका तथा अन्य सार्वजनिक भवन होंगे। शिविर के माध्यम से सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार कर इन्हें वितरण कर पाया लाभान्वित किया जायेगा। साथ ही इस संबंध में परिवर्त प्राप्त करेंगे जो अपने विभानों के मौके पर ही निस्तारण किया जायेगा।

फलौदी प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने कानासर तालाब पर जल पूजन व पौथारोपण करते हुए दिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.स.)। प्रभारी मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को फलौदी जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने बाप उपरुद में कानासर तालाब पर जल पूजन व पौथारोपण करते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तालाब का भ्रमण करते हुए उन्होंने कहा कि “वर्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान” के माध्यम से जलाकार जल के महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। उन्होंने कहा कि अग्र जहाने इस जल संरक्षण की जिम्मेदारी को अग्र जैसा करना चाहिए। इस दौरान प्रभारी मंत्री ने दो दिनों तक जल संरक्षण व पर्यावरण करते हुए उन्होंने कहा कि वर्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से भू-जल को संरक्षित करना तथा जल के सुधारणाएं के प्रति आमजन को जागरूक करना है।

फलौदी प्रभारी मंत्री मदन दिलावर ने कानासर तालाब पर जल पूजन व पौथारोपण करते हुए दिया

जयपुर टाइम्स

जयपुर(का.स.)। प्रभारी मंत्री मदन दिलावर शुक्रवार को फलौदी जिले के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने बाप उपरुद में कानासर तालाब पर जल पूजन व पौथारोपण करते हुए जल संरक्षण व पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। तालाब का भ्रमण करते हुए उन्होंने कहा कि वर्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान के माध्यम से भू-जल को संरक्षित करना तथा जल के सुधारणाएं के प्रति आमजन को जागरूक करना है। उन्होंने कहा कि जिले में वारिस के पानी को टाकों में सच्चय करना महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। उन्होंने कहा कि जिले में वारिस के पानी को टाकों में सच्चय करना महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। जीवाला में आयोजित कार्यक्रम में संवेदित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि 5 जून को गंगा दशहरा पर वर्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को शुभ्रांति भूमिका रखता है। उन्होंने कहा कि जिले में वारिस के पानी को टाकों में सच्चय करना महत्वपूर्ण भूमिका रखता है। जीवाला में आयोजित कार्यक्रम में संवेदित करते हुए प्रभारी मंत्री ने कहा कि 5 जून को गंगा दशहरा पर वर्दे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को शुभ्रांति भूमिका रखता है।

नगरपालिका बोर्ड भंग व्यवस्थाओं हेतु लगाया प्रशासक, फिर भी प्रवेश द्वारा एवं साइन बोडे पर पूर्व अध्यक्ष का नाम अंकित

बोर्ड खत्म हुए 7 माह बाद भी नहीं हटाया नाम, आमजन अभियान विवर

पालिका कार्यालय से पूर्व अध्यक्ष का नाम हटाकर प्रशासक का नाम अंकित किया, अन्य बोर्ड पर अध्यक्ष के साथ पति का दर्शाता

जयपुर टाइम्स



नाम बड़े अक्षरों में लिखा हुआ है, जो पूरे क्षेत्र में चारों ओर दिखाया जाता है। आज भी पति का दर्शाता है। ताकि नाम अंकित होता है।

उदासीनता एवं लापरवाही के साथ नियमों का संहिता अपने लोगों के साथ दिखाया जाता है। ताकि नाम साथ में खुलकर दिखाया जाता है।

साथ ही पति का नाम साथ में लिखा जाता है।

परिवार की विवरणों का अपव्यवहार एवं दुरुपयोग भी

माना जाता है। इस संबंध में उत्तर नाम अंकित होना लिखवाने वाले कर्मियों के विरुद्ध भी करवाई की जानी चाहिए। क्योंकि जाते जीवन विवर जीवन विवर के बाद उपरुद कार्यालय सुनिश्चित द्वारा जारी घोषणा पत्र एवं प्रवेश द्वारा प्राप्त की जाती है। इसलिए भी जाते जीवन विवर के बाद उपरुद भी करवाई की जाती है।

कार्यालय से हटाया जाना अंकित

ग्रैटलब है कि पालिका बोर्ड भी जाने के बाद कार्यालय से पालिका अध्यक्ष का नाम हटाकर प्रशासक का नाम भले ही लिखवाया हो, लेकिन राज्य सरकार के आदेशों की व्यवस्था उड़ाई जा रही है। बड़े मजे की बात है कि भूम्य द्वारा एवं साइन बोर्ड पर अध्यक्ष के नाम अंकित होता है।

अध्यक्ष का पद

नगरपालिका बोर्ड का एक पद है, और जब बोर्ड भी जाने होता है, तो अध्यक्ष का पद भी समाप्त हो जाता है।

कानूनी स्थिति

भंग बोर्ड पर अध्यक्ष का नाम प्रदर्शित करना एक कानूनी गलती है, क्योंकि यह दर्शाता है कि बोर्ड अभी भी काम कर रहा है, जो कि सही नहीं है। यदि नगरपालिका बोर्ड भंग हो जाता है, तो अध्यक्ष का पद भी समाप्त हो जाता है।

नियमों के विपरित अध्यक्ष का नाम बोर्ड पर दर्शाता

यदि नगरपालिका बोर्ड भंग हो जाया है, तो

कुचामन शहर मंडल में भाजपा का संकल्प से सिद्धि कार्यक्रम सम्पन्न

